



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

F.No.PRO/36

18th March 2024

Greetings from Central University of Gujarat

आस्था की अभिव्यक्ति के तरीके अलग लेकिन हम सभी आत्मा के बंधन में बंधे हुए है : माननीय राज्यपाल श्री आरिफ़ मोहम्मद ख़ान

- सीयूजी में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

गांधीनगर। आस्था की अभिव्यक्ति के तरीके और रिवाज अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन हम सभी आत्मा के बंधन में बंधे हुए है, एकात्म का भाव हम सभी के भीतर है। जीवात्मा के रूप में जो परमात्मा हम सभी में निवास करता है, वो सत्य है। यही भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल ध्येय है। ये कहना है, केरल राज्य के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ़ मोहम्मद ख़ान का। सोमवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा संस्थान के शिक्षा में अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग की ओर से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय ज्ञान परंपरा' को वे बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मानस की मलिनता भौतिक मलिनता से ज्यादा खराब है। हमारी परंपरा चार से पांच हजार साल पुरानी मानी जाती है लेकिन साक्ष्यों से लगता है कि हमारी ये ज्ञान परंपरा इससे भी कहीं पुरानी है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उद्धरण देते हुए कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य सुख की प्राप्ति नहीं हो सकता बल्कि उसका उद्देश्य ज्ञान की प्राप्ति है। इसके साथ ही विविधता के पीछे छिपी



एक कदम स्वच्छता की ओर

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in



150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

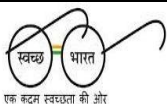
(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

हुई एकता को पहचान सके वो ही ज्ञानी है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े हुए है यही भारतीय ज्ञान परंपरा हमें बताती है। उन्होंने ज्ञान के बारे में कहा कि राजा जनक ऋषियों के आश्रम पैदल चलकर जाते थे। उन्होंने कहा कि हमारा अंतिम उद्देश्य ज्ञान प्राप्त करते रहना ही नहीं बल्कि ज्ञान को आगे बढ़ाते रहना है। भारत की संस्कृति ही एकमात्र ऐसी संस्कृति है जिसमें ज्ञान एवं प्रज्ञान दोनों समाहित है। उन्होंने कहा कि विदेश में ज्ञान ही व्यक्ति का मित्र होता है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के संयोजक, शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. एच बी पटेल ने स्वागत संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत राष्ट्र के प्रति समर्पित सेवा प्रेरणादायी है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओउम् प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान एवं प्रज्ञान को आत्मसात करने की विधा है। हमें इसको समझने के लिए मानव अंतर्मन की मानसिक अवस्था को समझना पड़ेगा। संगोष्ठी के दूसरे विशिष्ट अतिथि, गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. भाग्येश झा ने एथिक्स, एनर्जी, एक्सीलेंस, एजुकेशन और एनवायारमेंट को पांच ई की संज्ञा देते हुए वैश्विक समस्या बताया जिसका समाधान भारतीय ज्ञान परंपरा से ही संभव है।

ज्ञान का उद्भव है, भारतभूमि



एक मूढ स्वप्न को ओ

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

[Email: pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), [website: www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)



150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीयूजी कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि हमारे वेद ईश्वर की वाणी है, उन्होंने वेदों के उपनिषदों के ब्रह्मज्ञान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इसी भारतभूमि पर वैज्ञानिक ज्ञान की धारा बही जिससे पूरा विश्व पुष्प पल्लवित हो रहा है। उन्होंने महर्षि कणाद का वैशेषिक सूत्र और महर्षि पतंजलि के योगसूत्र के बारे में बताया। प्रो. दूबे ने कहा कि ज्ञानार्जन के लिए जरूरी है कि हम पहले नैतिकता का पाठ पढ़ें। हमें हमारे वैभव और ज्ञान पर लौटने के लिए जरूरी है कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता में अपनत्व का भाव जगाना होगा। उन्होंने बताया कि सीयूजी भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रमों से जोड़ने में अग्रणी रहा है। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रो. पल्लवी शर्मा ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रेमलता देवी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

**Expressions of faith may vary, but we are all bound by the ties of the soul":
Honorable Governor Shri Arif Mohammed Khan**

**- One-day National Seminar on the subject of Indian Knowledge Tradition
was organized at CUG**

Gandhinagar. Expressions of faith may vary, but we are all bound by the ties of the soul," said the Honorable Governor Shri Arif Mohammed Khan of Kerala State. He was addressing as the Chief Guest at a one-day National Seminar on Indian Knowledge Tradition, organized by the School of Education, Central University of Gujarat on Monday. He remarked that while methods and customs of expressing



एक म्दम स्वधरा की ओ

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in



150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

faith may differ, the concept of unity of the soul resonates within all of us. He emphasized that the divine, as the supreme soul, resides within each individual, and this is the essence of the Indian knowledge tradition. Hon'ble Governor pointed out that the impurity of the mind is more detrimental than physical impurity. He also noted that while our tradition is considered to be four to five thousand years old, evidence suggests that our knowledge tradition is even older. Quoting Swami Vivekananda, he asserted that the purpose of human life is not merely the pursuit of happiness but the attainment of knowledge. Recognizing unity amidst diversity is the hallmark of wisdom, he added. Hon'ble Governor highlighted that the Indian knowledge tradition teaches us to be spiritually connected with each other. He mentioned that in our culture, the pursuit of knowledge is not just about acquiring it but also about advancing it. He reiterated that Indian culture is unique in integrating both knowledge and wisdom. He stated that in foreign lands, knowledge becomes a person's companion. The seminar commenced with the lighting of the ceremonial lamp. Speaking at the welcome address, Prof. H.B. Patel, Convener of the seminar and the Dean, School of Education at Central University, said that serving the nation under the Indian knowledge tradition is inspiring. On this occasion, Dr. Om Prakash Pandey, a space scientist, emphasized that in the Indian knowledge tradition, science and knowledge are validated. He highlighted the importance of understanding the mental state of the human psyche to comprehend it. Another distinguished guest at the seminar, Dr. Bhagyesh Jha, Chairman of the Gujarat Literature Academy, outlined global issues such as ethics, energy, excellence, education, and environment, which can only be resolved through the Indian knowledge tradition.

The emergence of knowledge, Bharatbhoomi

Presiding over the seminar, CUG Vice-Chancellor Prof. Rama Shanker Dubey said that our Vedas are the voice of God; he spoke about the Brahma Gyana in the Upanishads of the Vedas. He said that it is on this very land of Bharat that the stream of scientific knowledge flows, which is making the entire world blossom. He discussed the Vaisheshika Sutra of Maharishi Kanad and the Yoga Sutras of



एक कदम स्वच्छता की ओर

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in



150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA



ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

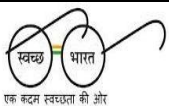
By Speed Post/By Email/By Hand

Maharishi Patanjali. Prof. Dubey emphasized that it is essential to study ethics first for the acquisition of knowledge. To return to our glory and knowledge, it is necessary to instill a sense of belonging in Indian culture and civilization. He mentioned that CUG has been at the forefront of integrating the Indian knowledge tradition into its curriculum. The seminar was moderated by Prof. Pallavi Sharma. At the end of the program, Dr. Premlata Devi expressed gratitude to everyone.

શ્રદ્ધાની અભિવ્યક્તિની રીતો અલગ-અલગ છે પરંતુ આપણે બધા આત્માના બંધનમાં બંધાયેલા છીએ: માનનીય રાજ્યપાલ શ્રી આરિફ મોહમ્મદ ખાન

- CUG માં ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા પર એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન થયું.

ગાંધીનગર.આસ્થાની અભિવ્યક્તિની રીતો અને રીત-રિવાજો અલગ-અલગ હોઈ શકે છે, પરંતુ આપણે બધા આત્માના બંધનથી બંધાયેલા છીએ, એકતાની લાગણી આપણા બધાની અંદર છે. આપણા બધામાં આત્માના રૂપમાં જે ભગવાન રહે છે તે સત્ય છે. આ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાનો મૂળ વિષય છે. આ કેરળ રાજ્યના માનનીય રાજ્યપાલ શ્રી આરિફ મોહમ્મદ ખાનનું કહેવું છે. સોમવારે તેઓ સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના શિક્ષણ સંસ્થાન, શિક્ષણ અને સંશોધન વિભાગ દ્વારા આયોજિત એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ 'ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા'માં મુખ્ય અતિથિ તરીકે સંબોધન કરી રહ્યા હતા. તેમણે કહ્યું કે માનસિક અશુદ્ધિ, શારીરિક અશુદ્ધિ કરતાં પણ ખરાબ છે. આપણી પરંપરા ચારથી પાંચ હજાર વર્ષ જૂની માનવામાં આવે છે, પરંતુ પુરાવા સૂચવે છે કે આપણી જ્ઞાન પરંપરા આના કરતાં ઘણી જૂની છે. તેમણે કહ્યું કે શિક્ષણ અને મૂલ્યોની પૂર્ણતા માનવ સ્વભાવના વિકાસને સુનિશ્ચિત કરવા માટે છે. સ્વામી વિવેકાનંદને ટાંકીને તેમણે કહ્યું કે માનવ જીવનનો ઉદ્દેશ્ય સુખની પ્રાપ્તિ ન હોઈ



एक कदम स्वच्छता की ओर

સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોનનં.-

07923977407, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in



150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA



ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

શકે પરંતુ તેનું લક્ષ્ય જ્ઞાનની પ્રાપ્તિ છે. આ સાથે, જે વિવિધતા પાછળ છુપાયેલી એકતાને ઓળખી શકે છે તે જ્ઞાની છે. તેમણે કહ્યું કે આપણે આધ્યાત્મિક રીતે એકબીજા સાથે જોડાયેલા છીએ, ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા આપણને આ જ કહે છે. જ્ઞાન અંગે તેમણે કહ્યું કે રાજા જનક પગપાળા ઋષિમુનિઓના આશ્રમોમાં જતા હતા. તેમણે કહ્યું કે અમારો અંતિમ ઉદ્દેશ્ય માત્ર જ્ઞાન મેળવતા રહેવાનો જ નથી પરંતુ જ્ઞાનને આગળ વધારવાનો પણ છે. ભારતીય સંસ્કૃતિ એક માત્ર એવી સંસ્કૃતિ છે જેમાં જ્ઞાન અને શાણપણ બંને છે. તેમણે કહ્યું કે પરદેશમાં જ્ઞાન એ વ્યક્તિનો મિત્ર છે. કાર્યક્રમની શરૂઆત દીપ પ્રાગટ્યથી કરવામાં આવી હતી. કાર્યક્રમના સંયોજક, એજ્યુકેશન ફેકલ્ટીના ડીન પ્રો. એચ.બી.પટેલે સ્વાગત પ્રવચનમાં જણાવ્યું હતું કે ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા અંતર્ગત રાષ્ટ્રને સમર્પિત સેવા પ્રેરણાદાયી છે. આ પ્રસંગે વિશેષ અતિથિ અવકાશ વૈજ્ઞાનિક ડો.ઓમ પ્રકાશ પાંડેએ જણાવ્યું હતું કે ભારતીય જ્ઞાન પરંપરામાં વિજ્ઞાન અને શાણપણને આત્મસાત કરવાની રીત છે. આ સમજવા માટે આપણે માનવ અંતઃકરણની માનસિક સ્થિતિને સમજવી પડશે. સેમિનારના બીજા વિશેષ અતિથિ ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમીના અધ્યક્ષ ડો. ભાગ્યેશ ઝાએ નીતિશાસ્ત્ર, ઊર્જા, ઉત્કૃષ્ટતા, શિક્ષણ અને પર્યાવરણને પાંચ ઈ ગણાવ્યા હતા અને તેમને વૈશ્વિક સમસ્યાઓ ગણાવી હતી જેનો ઉકેલ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા દ્વારા જ મેળવી શકાય છે.

ભારત જ્ઞાનનું ઉદ્ભવ સ્થાન છે

કાર્યક્રમના અધ્યક્ષસ્થાનેથી સીયુજીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેજી એ કહ્યું કે આપણા વેદ ભગવાનના શબ્દો છે, તેમણે વેદ, ઉપનિષદના બ્રહ્મજ્ઞાન વિશે જણાવ્યું. તેમણે કહ્યું કે ભારતની આ ધરતી પર વૈજ્ઞાનિક જ્ઞાનનો પ્રવાહ વહે છે જેના કારણે સમગ્ર વિશ્વ ખીલી રહ્યું છે. તેમણે મહર્ષિ કણાદના વૈશેષિક સૂત્ર અને મહર્ષિ પતંજલિના યોગ સૂત્ર વિશે જણાવ્યું.



एक मूढ स्वप्न की ओर

સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોનનં.-

07923977407, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in



150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA



ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009કે તહત સ્થાપિત)

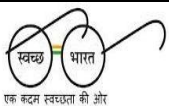
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે જ્ઞાન મેળવવા માટે જરૂરી છે કે આપણે પહેલા નૈતિકતાના પાઠનો અભ્યાસ કરીએ. આપણે આપણા ગૌરવ અને જ્ઞાન તરફ પાછા ફરવા માટે, ભારતીય સંસ્કૃતિ અને સભ્યતામાં ઐક્યની ભાવના જાગૃત કરવી જરૂરી છે. તેમણે કહ્યું કે CUG ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાને અભ્યાસક્રમ સાથે જોડવામાં અગ્રેસર રહ્યું છે. કાર્યક્રમનું મંચસંચાલન પ્રો. પલ્લવી શર્માએ કર્યું હતું. કાર્યક્રમના અંતે ડો.પ્રેમલતા દેવીએ સૌનો આભાર માન્યો હતો.



સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોનનં.-

07923977407, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

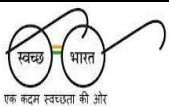
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand



With regards,
Your Truly,

Sunil sharma

Dr. Sunil Kumar Sharma
Public Relations Officer
Central University of Gujarat,
Sector-29, Gandhinagar,
Gujarat, India-382030
+918963840032
Email Id – pro@cug.ac.in
Web www.cug.ac.in



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

Don't print unless it's necessary.... Let's save environment.



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-
07923977407, फेक्स-07923260076
Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076
Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in

